Important Facts about Eye Donation

What is the role of Eye Bank?

Eye Banks Collect eyes from donors after death and then arrange for their scientific processing, storage and use.

What is cornea?

Cornea is the glass like transparent covering in the front part of the eye ball.

What causes corneal damage?

Infections injuries, from objects and chemicals, malnutrition, degenerations, dystrophies and developmental defects are among the causes of the corneal damages.

Who can donate cornea?

Anyone of any age group can donate eyes. Hypertension, diabetic, cataract surgeries and use of spectacles or contact lance are not the barrier for eye donation.

How many blind people can be benefited by one donor?

One eye donor can give gift of sight to more than two blind persons.

How longer death can eyes be removed?

Eyes can be removed as early as possible preferably within 6-8 hour after death.

Does eye donation delay cremation?

No removal of eyes after death takes only 10- 15 minutes.

Does removal of eyes cause disfigurement?

There is no disfigurement, plastic eye shells are put into give a normal cosmetic appearance.

What is the procedure of Corneal Graing?

Donor eyes are scientifically preserved and after evaluation used by expert surgeons usually within 48 hours. Those who have lost their eyesight because of damage of cornea can hope for the restoration of sight through corneal grafting. Damaged cornea from the patient's eye is removed and replaced by the healthy cornea from the donor eye.

EYE DONATION

नेत्रदान

Pledge Form

प्रतिज्ञा प्रपत्र

एम्स पटना आई बैंक

दूसरी मंजिल आईपीडी ब्लॉक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना

फुलवारी शरीफ़, पटना, बिहार 801507

आई बैंक संपर्क **नंबर:** 8544423411

नेत्रदान क्यो आवश्यक है

नेत्रदान क्या है?

नेत्रदान का अर्थ मृतक व्यक्ति की दान की गई पुतली को अंधेपन के शिकार व्यक्ति की पुतली के स्थान पर प्रत्यारोपित किया जाता है।

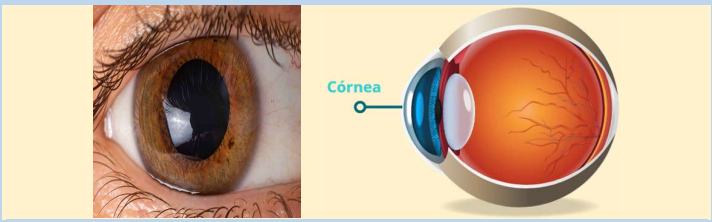

नेत्रदान की आवश्यकता क्यों?

क्या आप जानते हैं कि भारत में 30 लाख से अधिक व्यक्ति पुतली खराब होने के कारण अंधेपन के शिकार हैं। इसमें 10 लाख से अधिक बच्चे शामिल हैं। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 80 से 90 लाख व्यक्तियों की मृत्यु होती है। इसमें से केवल 15 से 20 हजार व्यक्ति ही नेत्रदान करते हैं। अंधेपन को समाप्त करने के लिए प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक आँखे चाहिए।

कॉर्निया क्षति का क्या कारण है ?

संक्रमण, वस्तुओ से चोट लगना, रसायन, कुपोषण, डिस्ट्रोफी और विकासात्मक दोष कॉर्नियल क्षति के कारणों में से एक है।

नेत्रदान मृत्यु के पश्चात् कितने समय में करें?

मृत्यु के बाद 6 से 8 घंटे का अंतराल नेत्रदान के लिए उचित है।

नेत्रदाता कौन हो सकता है?

किसी भी उम्र का व्यक्ति नेत्रदाता बन सकता है।

नेत्रदान कैसे करें?

जीववित व्यक्ति शपथ पत्र भर कर नेत्र दाता बन सकता है। मृत्यु के पश्चात मृतक के सगे सम्बन्धी को मृतक की आँख दान करने के लिए नज़दीकी आई बैंक को सूचित करना चाहिए।

क्या आँखें निकालने से विकृति होती है ?

नहीं आँखें कुशलतापूर्वक निकाली जाती है और कोई विकृति नही होती है। सामान्य कॉस्मेटिक उपस्थिति देने के लिए प्लास्टिक की आँख के खोल लगाए जाते है।

नेत्र बैंक की भूमिका क्या है?

नेत्र बैंक मृत्यु के बाद दानकर्ताओ से आँखे एकत्र करते है और फिर उनके वैज्ञानिक प्रसंस्करण, भंडारण ओर उपयोग की व्यवस्था करते है।

क्या नेत्रदान के लिए कोई प्रतिबंध है?

नेत्रदान के लिए कोई प्रतिबंध नहीं है दान की गई सभी आँखों का उपयोग करने से पहले चिकित्सकीय किया जाता है। पंख कुछ व्यक्ति जिनको HIV I & II , हेपेटाइटीस, एड्स है वो प्रतिबंध माने जाते है।

जब दान की गई आँखे नेत्र बैंक में पहुंचती है तो क्या होता है?

दानकर्ता की आँखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित किया जाता है और बिशेषज्ञ सर्जनों द्वारा मूल्यांकन के बाद आमतौर पर 48 घंटों के भीतर उपयोग किया जाता है।

क्या नेत्रदान से संस्कार मे देरी होती है?

नहीं नेत्रदान मे 10 से 15 मिनट से भी कम समय लगता है।

एम्स पटना आई बैंक

दूसरी मंजिल आईपीडी ब्लॉक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना

फुलवारी शरीफ़, पटना, बिहार 801507

आई बैंक संपर्क नंबर: 8544423411

कॉर्निया पुतली रोग के अंधेपन से बचाव

बाल अवस्था में कुपोषण, चोट, संक्रमण आदि के कारण कॉर्निया धुंधला हो जाता है और दृष्टि में काफी कमी हो जाती है या दृष्टि समाप्त हो जातीहै।

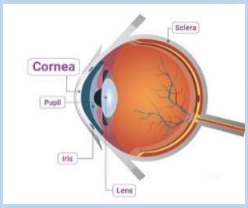

- नेत्र को चोट लगने से बचाएं। नुकीली चीजो जैसे की गुल्ली, तीर, कैंची, चाकू, सूई एवं पटाखा, तीखा रसायल अम्ल एसिड आदि को बच्चों की पहुँच से दूर रखें।
- आपरेशन के बाद जटिलताएँ या संक्रमण इन्फेक्शन से आँखों को बचाएँ।
- कुपोषणः बच्चों को संतुलित भोजन विटामिन ए से भरपूर जैसे हरी पत्तेदार सब्जियाँ पालक, मेथी, बधुआ, सरसों, मूली के पत्ते इत्यादि एवं पीले रंग के फल खिलाएँ।
- गंदी उंगलियों के द्वारा आँखों को न छुऐं एवं न मसलें।
- नेत्र विशेषज्ञों की सलाह का पालन अवश्य करें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र या सरकारी अस्पताल में संपर्क करें।

एम्स पटना आई बैंक

दूसरी मंजिल आईपीडी ब्लॉक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना

फुलवारी शरीफ़, पटना, बिहार 801507

आई बैंक संपर्क नंबर: 8544423411

EYE DONATION PLEDGE FORM
नेत्रदान प्रतिज्ञा फॉर्म

Name नाम.....

S/o|D/o|H/o|W/o पुत्र/पुत्री/पति/पत्नी.....

Gender Male/Female लिंग पुरुष|महिला.....

Date of Birth/जन्म तिथि.....

Mobile मोबाइल.....

Address.पता.....

.....

Village/Town/City.....

गाँव/कस्बा/शहर.....

Tehsil/District.....Pin.....

तहसील/जिला.....पिन.....

State. राज्य.....

Mobile मोबाइल 1.....

Mobile मोबाइल 2.....

Email. ईमेल.....

- Next Kin Relaon.....

निकटतम संबंधी.....

Name. नाम.....

Phone .....Mobile.....

फोन..... मोबाइल.....

Email ईमेल.....

I have filled up this form voluntarily and in my full consciousness. I have advised my next of kin to immediately inform the Eye bank on my death so that the process of eye donation can be carried out. The information furnished above is correct to the best my knowledge.

मैंने यह फॉर्म स्वेच्छा से और अपने पूरे होश में भरा है। मैंने अपने निकटतम संबंधी को सलाह दी है कि वे मेरी मृत्यु पर तुरंत नेत्र बैंक को सूचित करें ताकि नेत्रदान की प्रक्रिया को अंजाम दिया जा सके। ऊपर दी गई जानकारी मेरी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सही है।

Sincerely

(Signature)

Date. दिनांक.....

(हस्ताक्षर)

Place. स्थान.....

एम्स पटना आई बैंक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना

नेत्र दान करें

नेत्रदान महादान

जीवन का अमूल्य वरदान नेत्रहीन को नेत्रदान

नेत्रदान मरके भी जिंदा रहने का अनमोल वरदान है

किसी को सुंदर दुनिया देखने में मदद करें!!!

नेत्रदान के लिए महत्वपूर्ण सूचना

1. नेत्रदान करने के अपने इरादे के बारे मे अपने परिवार के डॉक्टर और सगे–सबंधियो मे चर्चा करे।
2. प्रतिज्ञा फार्म को भरे और नेत्रदान करने के अपने इरादे का पंजीकृत कराएं।
3. हम आपको डोनर कार्ड भेजेंगे। इसको संभाल करे रखे यह लम्बे समय तक सभी को याद दिलाता रहेगा।
4. मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद नेत्रदान के लिए नजदीकी नेत्र बैंक से संपर्क करें।
5. पंखे को बंद कर दें (एसी को चालू रखें) और पलक को बंद कर उसपे भींगी हुई रूई/कपडा रख दे। यह नेत्रगोलक को नम रखने में मदद करेगा।
6. तकिये के सहारे सिर को उठाएं।
7. कृपया इस बात को ध्यान रखे कि एड्स, हेपेटाइटिस, इत्यादि की जॉच के लिए दाता को रक्त नमूना ले लिया गया है/लिया जएगा।
8. यदि आप किसी नए घर में चले जाते है तो अपने घर के नजदीकी नेत्र बैंक का पता और फोन नम्बर लिख लें।
9. नेत्रदान को अपने परिवार की परंपरा बनाएँ।
10. यदि मुमकिन हो सके तो मृत्यु के बाद 6 घंटे के भीतर बॉडी को रेफ्रिजरेटर में रख दे।
11. मृत्यु के बाद 6–8 घंटे के भीतर तक नेत्रदान किया जा सकता है।

Before After